गांव वाली विधवा भाभी की चुदाई की कहानी-6

“भाभी मेरे लिंग प्रवेश करवाने का बेसब्री से इन्तजार कर रही थीं। कुछ देर भाभी की चूत पर अपने लिंग को घिसता रहा और फिर धीरे से चूत के मुहाने पर रख झटका लगाया। ...”

Story By: mahesh kumar (maheshkumar_chutpharr)
Posted: Sunday, March 12th, 2017
Categories: भाभी की चुदाई
Online version: गांव वाली विधवा भाभी की चुदाई की कहानी-6

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

गांव वाली विधवा भाभी की चुदाई की कहानी-6

अब तक आपने पढ़ा..
मैंने रेखा भाभी को अपने वश में कर लिया था और उनकी चूत को चाट रहा था।
अब आगे..

कुछ देर तक मैं ऐसे ही अपनी जीभ को भाभी के चूतद्वार पर गोल-गोल घुमाता रहा.. मगर मैंने जीभ को चूत के अन्दर नहीं डाला।

कुछ देर तक जब मैं ऐसे ही करता रहा तो भाभी ने अपने दोनों हाथों से मेरे सर के बालों को पकड़ लिया और फिर खुद ही अपने कूल्हों को उचका कर अपने चूतद्वार को मेरे होंठों से लगा दिया।

मैंने भी रेखा भाभी के चूतद्वार को एक बार प्यार से चूम लिया और फिर अपनी जीभ को नुकीला करके उनके चूतद्वार में घुसा दिया.. जिससे उनके मुँह से बड़ी जोरों से सिसकी ‘आह्ह..’ निकल गई।

अब उन्होंने मेरे सर को अपनी दोनों जाँघों के बीच जोर से दबा लिया। मैंने धीर से रेखा भाभी की जाँघों को फिर से फैला दिया और धीरे-धीरे अपनी जीभ से उनके चूतद्वार में हरकत करने लगा।

मेरी जीभ अब भाभी की चूत द्वार में पूरी तरह से घूम रही थी.. जिससे उनके मुँह से जोर-जोर से सिसकारियाँ फूटने लगीं। मेरी जीभ के साथ साथ उनकी कमर भी हरकत में आ गई

थी।

धीरे धीरे रेखा भाभी ने अपनी कमर की हरकत को तेज कर दिया और वो जोर-जोर से मादक सिसकारियां भरने लगीं। मैं समझ गया कि भाभी का रस स्खलित होने वाला है।

मैंने सोचा कि कहीं आज भी मैं कल की तरह प्यासा ना रह जाऊँ.. इसलिए मैंने भाभी की जाँघों के बीच से अपना सर निकाल लिया और रेखा भाभी की तरफ देखने लगा। उन्होंने आँखें बन्द कर रखी थीं, उत्तेजना के कारण उनके होंठ कंपकंपा रहे थे और गोरा चेहरा बिल्कुल गुलाबी हो रखा था।

जब कुछ देर तक मैंने कोई हरकत नहीं की.. तो रेखा भाभी ने हल्की से आँखें खोलकर मेरी तरफ देखा, उत्तेजना व खीझ के भाव उनकी आँखों में स्पष्ट नजर आ रहे थे।

भाभी को देखकर मैं हल्का सा मुस्कुरा दिया और जल्दी से अपने कपड़े उतारने लगा। रेखा भाभी ने मेरी मुस्कुराहट का कोई जवाब नहीं दिया और फिर से अपनी आँखें बन्द कर लीं।

रेखा भाभी को पता था कि मैं क्या कर रहा हूँ और अब आगे उनके साथ क्या करने वाला हूँ.. फिर भी वो चुपचाप ऐसे ही लेटी रहीं।

मैं अपने सारे कपड़े उतार कर रेखा भाभी के ऊपर लेट गया.. जिसका रेखा भाभी ने कोई विरोध नहीं किया।

अब रेखा भाभी का मखमल सा मुलायम और नाजुक शरीर मेरे नीचे था और उनके सख्त उरोज व तने हुए चूचुक मुझे अपने सीने में चुभते हुए से महसूस हो रहे थे।

रेखा भाभी को पता था कि अब क्या होने वाला है इसलिए मेरे ऊपर आते ही उन्होंने खुद ही अपनी जाँघों को फैलाकर मुझे अपनी दोनों जाँघों के बीच में ले लिया।

अब मेरा उत्तेजित लिंग रेखा भाभी की चूत के ठीक ऊपर था, उनकी चूत के बाल मुझे अपने लिंग पर महसूस हो रहे थे।

मेरी पायल भाभी ने मुझे इस खेल का कुशल खिलाड़ी बना दिया था इसलिए मैंने सीधा रेखा भाभी की चूत में अपना लिंग डालने की बजाए उन पर लेटे-लेटे ही एक हाथ से अपने लिंग को पकड़ कर धीरे-धीरे उनके चूतद्वार पर घिसने लगा जिससे उनके मुँह से फिर हल्की-हल्की सिसकारियाँ फूटने लगीं 'उम्म्ह… अहह… हय… याह…'

रेखा भाभी की चूत प्रेमरस से पूरी तरह गीली हो रही थी.. इसलिए मेरा लिंग आसानी से उसमें फिसल रहा था। मैं अपना लिंग भाभी की चूत में घिसते हुए ही उनके चेहरे की तरफ देखने लगा, उन्होंने आँखें बन्द कर रखी थीं। उत्तेजना के कारण उनके होंठ कंपकंपा रहे थे, साँसें बड़ी जोर से चल रही थीं।

वो मेरे लिंग प्रवेश करवाने का बेसब्री से इन्तजार कर रही थीं। कुछ देर भाभी की चूत पर अपने लिंग को घिसता रहा और फिर धीरे से चूत के मुहाने पर रखकर एक झटका लगा दिया।

रेखा भाभी की चूत प्रेम रस से पूरी तरह गीली हुई पड़ी थी और वो शारीरिक और मानसिक रूप से लिंग का स्वागत करने के लिए तैयार भी थीं.. इसलिए एक ही झटके में मेरा आधे से ज्यादा लिंग उनकी चूत में समा गया।
भाभी की एक तेज चीख निकल पड़ी- इईई.. श्शशश.. अ..आआह.. आउऊच.. श्श..
वो दर्द से चीख पड़ीं।

मैंने अपने आपको व्यवस्थित करके एक बार अपने लिंग को थोड़ा सा बाहर खींच लिया और फिर से एक झटका लगा दिया। इस बार फिर से रेखा भाभी के मुँह से 'अ..आआहह.. आउऊचश्श..' की आवाज निकल गई। इस बार मेरा समस्त लिंग उनकी चूत में समा गया

था।

रेखा भाभी की चूत काफी गर्म थी और उसमें काफी कसाव था। मुझे ऐसा लग रहा था जैसे कि मेरा लिंग किसी दहकती भट्टी में चला गया हो।
यह हिंदी सेक्स स्टोरी आप अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं!

विनोद भैया के स्वर्गवास के बाद शायद भाभी ने किसी से सम्बन्ध नहीं बनाए थे। मैंने उन्हें काफी उत्तेजित भी कर दिया था.. इसलिए उत्तेजना के कारण भी चूत में काफी संकुचन हो रहा था।

मैंने एक बार फिर से भाभी के चेहरे की तरफ देखा, अब भी उन्होंने आँखें बन्द कर रखी थीं। हल्की सी पीड़ा और उत्तेजना के मिले जुले भाव उनके चेहरे पर उभर रहे थे।

भाभी का मासूम सा चेहरा देखकर मुझे उन पर प्यार आ गया। इसलिए मैंने एक बार उनके माथे को चूम लिया और फिर गालों पर से होते हुए उनके होंठों पर आ गया। चूमने के साथ ही मेरी कमर भी हरकत में आ गई। मैं धीरे-धीरे धक्के लगाने लगा.. जिससे मेरा लिंग रेखा भाभी की चूत में अन्दर बाहर होने लगा, उनके मुँह से हल्की-हल्की सी सिसकारियाँ फूटने लगीं। साथ ही अपने आप ही रेखा भाभी के हाथ मेरी पीठ पर आ गए और मेरी पीठ पर धीरे-धीरे इधर-उधर रेंगने लगे।

अभी तक मैं रेखा भाभी के होंठों को चूस रहा था.. मगर अब पहली बार रेखा भाभी ने भी हल्का सा मेरे होंठों को अपने होंठों के बीच दबाया था। अब थोड़ा-थोड़ा वो भी मेरे चुम्बन का जवाब देने लगी थीं इसलिए मैंने अपनी जीभ उनके मुँह में डाल दी.. जिसे वो कभी कभी हल्का सा चूसने लगीं।

धीरे धीरे धीरे मैं अपनी कमर की हरकत को बढ़ाने लगा.. जिससे रेखा भाभी की

सिसकारियाँ और तेज होने लगीं। अब धीरे धीरे भाभी भी खुलने लगी थीं क्योंकि अब वो मेरी जीभ को जोरों से चूसने लगी थीं। साथ ही उन्होंने अपने पैरों को भी मेरे पैरों में फँसा लिया और वो भी धीरे-धीरे अपने कूल्हों को उचकाने लगीं।

अब रेखा भाभी भी मेरा साथ दे रही थी इसलिए मैंने अपनी गति बढ़ा दी और तेजी से धक्के लगाने लगा। मेरे साथ साथ भाभी भी जल्दी-जल्दी अपने कूल्हे उचकाने लगीं और उनकी सिसकारियाँ भी तेज हो गईं।

पूरा कमरा रेखा भाभी की सिसकारियों से गूँजने लगा, भाभी की सिसकारियों का शोर सुनकर मेरा जोश बढ़ता जा रहा था इसलिए मैं अपनी पूरी ताकत के साथ धक्के लगाने लगा।

भाभी भी कहाँ पीछे रहने वाली थीं वो भी जोर जोर से सिसकारियाँ भरते हुए मेरे धक्कों का जवाब दे रही थीं। मेरी और भाभी की साँसें उखड़ने लगी थीं.. शरीर पसीने से तर हो गए थे मगर हम दोनों में से कोई भी पीछे रहना नहीं चाह रहा था, हम दोनों को ही अपनी अपनी मंजिल पर पहुँचने की जल्दी लगी थी।

फिर तभी भाभी के गर्भ की गहराई में जैसे कि कोई विस्फोट सा हो गया, भाभी बड़ी जोरों से चिल्ला ही पड़ीं- इईई.. श्शश.. अआआ.. आह्ह्ह्हह..
उनके हाथ-पैर मुझसे लिपटते चले गए, शरीर अकड़ गया और उनकी चूत ने मेरे लिंग व अण्डकोष को अपने प्रेमरस से नहला दिया।

रेखा भाभी का इतना उत्तेजक कामोन्माद देखकर मैं भी जल्दी ही चरम पर पहुँच गया और दो-तीन धक्कों के बाद ही मैंने अपने भीतर का सारा लावा रेखा भाभी की चूत में उड़ेल दिया।

रसखलित होने के बाद कुछ देर तक तो मैं रेखा भाभी के ऊपर ही पड़ा रहा और फिर पलट कर उनके बगल में लेट गया।

अब सब कुछ शाँत हो गया था ऐसा लग रहा था जैसे कि अभी-अभी कोई तूफान आकर चला गया है। कमरे में बस मेरी और रेखा भाभी की उखड़ी हुई साँसों की आवाज ही गूँज रही थी.. जिन्हें हम दोनों काबू में करने की कोशिश कर रहे थे।

कुछ देर तक हम दोनों ऐसे ही पड़े रहे और फिर रेखा भाभी उठ कर अपने कपड़े ठीक करने लगीं।
मैंने रेखा भाभी की तरफ देखा तो उन्होंने नजरें झुका लीं.. मगर संतुष्टि के भाव उनके चेहरे पर स्पष्ट नजर आ रहे थे।

कपड़े ठीक करके रेखा भाभी कमरे से बाहर चली गईं। रेखा भाभी के बाद मैं भी उठकर बाहर आ गया और फिर तैयार होकर रोजाना की तरह ही खेतों में चला गया।

इसके बाद करीब महीने भर तक मैं गाँव में रहा और काफी बार रेखा भाभी से सम्बन्ध बनाए। पहले एक-दो बार तो वो मना करतीं.. मगर फिर बाद में तो वो खुद ही मेरे पास आने लगीं।

आपको मेरी सेक्स स्टोरी कैसी लगी.. प्लीज़ मुझे जरूर लिखें।
chutpharr@gmail.com

Other stories you may be interested in

पड़ोसन भाभी के हुस्न का भोग

नमस्कार दोस्तो, कैसे हो आप ? मेरा नाम देव कुमार है। मैं अन्तर्वासना की कहानियों का नियमित पाठक हूँ। मैं अन्तर्वासना से प्रेरित होकर अपनी आप बीती सुना रहा हूँ। मैं जयपुर का रहने वाला हूँ। मैं एक युवा रोमांटिक लड़का […]
Full Story >>>

काम पिपासु को मिली काम ज्वाला-2

मेरी कामवासना भरी कहानी के पहले भाग काम पिपासु को मिली काम ज्वाला-1 में आप ने पढ़ा कि अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद से मैं अपनी कामुकता को हस्तमैथुन से दबा रहा था, मुझे कोई चूत नहीं मिल रही […]
Full Story >>>

बिंदास गर्लफ्रेंड के साथ बिंदास सेक्स

दोस्तो, मेरा नाम सोनू है, मैं पुणे के रहने वाला हूँ. मैं आज आपको मेरे जीवन की पहली चुदाई की कहानी बताने जा रहा हूँ. अन्तर्वासना पर यह मेरी पहली कहानी है. चूंकि मैं पहली बार लिख रहा हूँ तो […]
Full Story >>>

गर्लफ्रैंड की मस्त मज़ेदार चुदाई

दोस्तो, मैं सैम शर्मा हाजिर हूँ अपनी एक और सेक्स स्टोरी के साथ कि कैसे मैंने लड़की पटाई और फिर उसकी चुदाई भी की। आपने मेरी पिछली सेक्स स्टोरी टीचर के साथ की पहला सेक्स पढ़ी ही होगी. मैं 21 […]
Full Story >>>

मेरे मामा की लड़की मेरी दिलबर-2

नमस्कार दोस्तो, मेरी पहली और सच्ची दास्ताँ मेरे मामा की लड़की मेरी दिलबर-1 को जो अपने प्यार दिया, उसके लिए सभी का धन्यवाद. मेरी कहानी के पहले भाग में जैसा कि आपने देखा कि मेरे मामा की बेटी कोमल और […]
Full Story >>>